

Shri M. C. Shah: There were many difficulties even in granting this concession to the employees of the Posts and Telegraphs department, in accounting. There may be innumerable accounts that would be operated upon and so, the trouble to be taken will not be commensurate with the benefits to be gained. Therefore, in the first place, we were not agreeable to that. But, the matter was further examined and this concession was granted. If other employees come forward with the demand, it will be given due consideration.

Shrimati Renu Chakravartty: In view of the fact that small savings schemes are being publicised for the Five-year Plan, may I know whether such schemes can be used for this case also?

Shri M. C. Shah: We are prepared to consider the demand if made.

Shri Muniswamy: May I know whether the hon. Minister is in a position to tell us whether the Extra-departmental staff of the Posts and Telegraphs department will also be allowed to get the benefit of this concession?

Shri M. C. Shah: This questions relates to Class IV employees. All employees of class IV have been given the benefit of the General Provident Fund on a voluntary basis. There is no question of Ex-departmental staff.

Shri Muniswamy: There was a demand by the Extra-departmental Union to grant such benefits.

Mr. Deputy-Speaker: Are they class IV people? Next question.

जर्मैयतुल इस्लाम (भारतीय तथा पाकिस्तानी)

*१२३३, श्री रघुनाथ सिंह : क्या गृह कार्य मंत्री यह बतलाने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार का ध्यान "इंडियन नेशन" पटना के २४ दिसम्बर १९५२ तथा ४ तथा १८ जनवरी १९५३ के संस्करणों में प्रकाशित जर्मैयतुल इस्लाम की गति-विधियों की ओर दिलाया गया है ; तथा

(ख) यदि दिलाया गया है तो सरकार इस मामले में क्या कार्यवाही करने का विचार रखती है ?

The Deputy Minister of Home Affairs (Shri Datar): (a) Yes.

(b) Government are keeping themselves informed of the activities of the Jamait-i-Islami. Appropriate action will be taken whenever it becomes necessary.

श्री रघुनाथ सिंह : क्या सरकार को मालूम है कि बिहार सरकार ने सरकारी नौकरों को जर्मैयतुल इस्लामी में भाग लेने से उन को मना किया है ?

गृहकार्य तथा राज्य मंत्री (डा० काटजू) : बिहार गवर्नमेंट से इस के मुताल्लिक दरियाफत करूंगा ।

श्री रघुनाथ सिंह : क्या सरकार को मालूम है कि जर्मैयतुल इस्लामी की जो हिन्दुस्तानी शाखा है, उस का अमीर पाकिस्तानी नागरिक है ?

डा० काटजू : वह लाहौर में रहता है, इतना मालूम है ।

श्री रघुनाथ सिंह : क्या सरकार को मालूम है कि जर्मैयतुल इस्लामी के फाउण्डर और सदर मद्दी साहब को पाकिस्तान में १४ साल की सजा इस वास्ते दी गई है कि हम सेकुलर सरकार में विश्वास नहीं करते ?

डा० काटजू : यह खबर मैं ने पढ़ी है कि उन को सजा हुई है ।

श्री रघुनाथ सिंह : क्या सरकार को यह मालूम है कि जर्मैयतुल इस्लाम के लोग जब नैशनल एन्थम गाया जाता है तो स्टैंड नहीं होते ?

डा० काटजू : मुझे मालूम नहीं है, इस के बारे में आप को मालूम होगा ।

डा० राम सुभग सिंह : अभी मंत्री महोदय ने कहा कि इस के समापति लाहौर में रहते हैं तो मैं जानना चाहता कि वहां

की शाखा के सभापति होने की उन को कैसे इजाजत दी गयी ?

डा० काटजू : इजाजत किसी ने मांगी नहीं, इजाजत का सवाल ही नहीं है ।

श्री बी० पी० सिन्हा : यह संस्था यहां हिन्दुस्तान में कितने दिनों से काम कर रही है ?

डा० काटजू : जहां तक मुझे मालूम है, कई वर्षों से, गालिबन आठ, दस साल से ।

श्री टी० एन० सिंह : हम यह जानना चाहते थे कि इस संस्था का संचालन कैसे प्रेसीडेंट महोदय यहां से बाहर रहते हुए करते हैं, या उन को कभी कभी उस का संचालन करने के लिए यहां आना नहीं पड़ता है ?

डा० काटजू : उन की आमद रफ्त का हाल मुझे मालूम नहीं, बाक्री डाक खुली हुई है, खत वगैरह भेजते होंगे ।

श्री रघुनाथ सिंह : क्या सरकार को मालूम है कि जमैयतुल इस्लाम के साहित्य में हमारे प्रधान मंत्री को सुपरफ्लुअस थिंकर (superfluous thinker) के नाम से सम्बोधित किया गया है ?

प्रधान मंत्री (श्री जवाहरलाल नेहरू): किस नाम से ?

श्री रघुनाथ सिंह : सुपरफ्लुअस थिंकर (superfluous thinker) किताब का नाम है प्रॉब्लम आफ नेशनलिज्म (Problem of Nationalism)। पेज २२६ और २२७ पर हमारे प्रधान मंत्री साहब के बारे में कहा गया है कि वे सुपरफ्लुअस थिंकर (superfluous thinker) हैं ।

श्री जवाहरलाल नेहरू : कोई गाली नहीं है ?

डा० काटजू : लफ्ज सुपरफ्लुअस (superfluous) किस कंटेक्सट (context) में आता है, किस चीज के लिए आता है, यह देखना चाहिए ।

श्री जवाहरलाल नेहरू : Superfluous thinker, superfluous talker से बेहतर होता है, कम अज कम दूसरे का नुकसान नहीं करता है । यह जो यहां पर जमैयतुल इस्लाम की चर्चा हो रही है, तो उस के बारे में तो मैं अर्ज करूँ कि हमें अच्छी तरह से मालूम है कि वह कौन है और कहां है, वह छिपी हुई नहीं है, वह एक मजहबी जमात अपने को कहते हैं और हो सकता है कि वह किन्हीं सियासी बातों में दखल दें और अपनी राय दें, पिछले इतने वर्षों से तो वह अलग अलग काम करते आ रहे हैं, मौलाना मद्दी साहब पहले से उस जमात के सदर हैं, सदर एक मानी में जरूर है, लेकिन हिन्दुस्तान से कोई ताल्लुक नहीं है, सिवाय उन के खत वगैरह यहां पर आ जाते हैं और जहां तक मुझे इल्म है, वह कभी यहां पर आये भी नहीं । लाहौर में जब यह कादियानी झगड़े हुए उस के बाद उन्हें मौत की सजा हुई थी, उस के बाद गवर्नमेंट ने उस मौत की सजा को १४ वर्ष की सजा में तब्दील कर दिया है और यह वहां इस वक्त कैद में है और जाहिर है कि वहां से अब वह आसानी से सदारत का काम नहीं करते ।

FOREIGN FIRMS

*1234. Dr. Lanka Sundaram: Will the Minister of Finance be pleased to state:

(a) the procedure for foreign firms to sell their undertakings to Indian nationals;